2023

HINDI

Paper : HIN-HC-2026

(आधुनिक हिन्दी कविता : छायावाद तक)

(Honours Core)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जन्म कब हुआ था?

(ख) मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित किसी एक खण्डकाव्य का नाम लिखिए।

(ग) निराला का देहावसान किस ईस्वी को हुआ था?

(घ) 'कामायनी' का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(ङ) 'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ' शीर्षक कविता महादेवी वर्मा के किस काव्य-ग्रंथ में संगृहीत है?

(च) प्रसाद का जन्म किस घराने में हुआ था?

(छ) 'पल्लव' किसकी रचना है?

(ज) 'आधुनिक युग की मीरा' किन्हें कहा जाता है?

(झ) सरोज कौन थी?

(ञ) 'परिवर्तन' कविता का रचना-काल क्या है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) भारतेन्दु के काव्य की दो भाषिक विशेषताएँ लिखिए।

(ख) "सखि, वे मुझसे कहकर जाते।" यहाँ यशोधरा का कौन-सा मनोभाव व्यक्त हुआ है?

(ग) यशोधरा की व्यथा लोक-व्यथा क्यों बन गई है?

(घ) पंत के अनुसार गंगा के जल में झलकता हुआ चन्द्रमा का बिम्ब कैसा प्रतीत हो रहा है?

(ङ) महादेवी वर्मा का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) 'निज भाषा उन्नति' शीर्षक कविता की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए :

माँ की कुल शिक्षा मैंने दी, पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची
सोचा मन में "यह शकुन्तला, पर पाठ अन्य यह, अन्य कला"।

(ग) 'मंदिर का दीप' शीर्षक कविता के भाव-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'नौका विहार' कविता में पन्त ने गंगा तट के सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है?

(ङ) निराला ने अपनी पुत्री में यौवनागम का वर्णन किस प्रकार किया है?

(च) 'मातृभूमि' कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं, स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ओ! चिन्ता की पहली रेखा! अरी विश्व वन की व्याली।
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण प्रथम कम्प सी मतवाली।।
हे अभाव की चपल बालिके! री ललाट की खल लेखा।
हरी-भरी सी दौड़ धूप, ओ जल-माया की चल-रेखा।।

अथवा

नींद थी मेरी अचल निस्पंद कण-कण में,
प्रथम जागृति थी जगत् के प्रथम स्पंदन में;
प्रलय में मेरा पता पदचिह्न जीवन में,
शाप हूँ जो बन गया वरदान बंधन में;
कूल भी हूँ कूलहीन प्रवाहिनी भी हूँ!

(ख) 'आत्म प्रबोधन' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'यशोधरा' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) महादेवी वर्मा की कविताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सुमित्रानंदन पंत की कविताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'सरोज-स्मृति' कविता की केन्द्रीय संवेदना पर विचार कीजिए।

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में चित्रित राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए।

★★★